यहाँ रहना नहीं देस बिराना है कबीर भजन लिरिक्स

यहाँ रहना नहीं देस बिराना है,

दोहा – पत्ता कहता तरुवर से,
सुनो तरुवर मेरी बात,
उस घर की ऐसी रीत है,
एक आवक एक जाय।

यहाँ रहना नहीं देस बिराना है,
बिराना है रे, बेगाना है,
यहां रहना नहीं देस बिराना है।bd।

यह संसार कागद की पुड़िया है,
बूँद पडे गल जाना है,
बूँद पडे गल जाना है,
यहां रहना नहीं देस बिराना है।bd।

यह संसार काँटे की बाडी है,
उलझ पुलझ मरि जाना है,
उलझ पुलझ मरि जाना है,
यहां रहना नहीं देस बिराना है।bd।

यह संसार झाड और झाँखर,
आग लगे जल जाना है,
आग लगे जल जाना है,
यहां रहना नहीं देस बिराना है।bd।

कहत 'कबीर सुनो भाई साधो,
सतुगरु नाम ठिकाना है,
सतुगरु नाम ठिकाना है,
यहां रहना नहीं देस बिराना है।bd।

यहाँ रहना नहीं देस बिराना है

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बिराना है रे, बेगाना है,
यहां रहना नहीं देस बिराना है।bd।

Singer – Tara Singh Dodwe

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com